

Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldinWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عَرَبِيٌّ), French (Français), Hindi (हिन्दी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

सव

स्वतंत्र

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वतंत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात् किसी को दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी हो सकता है, मूसा की व्यवस्था का पालन करने की अनिवार्यता के अधीन नहीं वरन् पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बाँधना, दास बनाना, सेवक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 4:26](#)
- [गलातियों 5:1](#)
- [यशायाह 61:1](#)
- [लैव्यव्यवस्था 25:10](#)
- [रोमियो 06:18](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G3089, G3955, G4506, G5483

स्वप्न

परिभाषा:

मनुष्य के सोते समय मस्तिष्क में जो देखता है या अनुभव करता है वह स्वप्न कहलाता है।

- स्वप्न प्रायः यथार्थ घटना प्रतीत होते हैं जबकि वे होती नहीं हैं।
- कभी-कभी परमेश्वर मनुष्यों को स्वप्न दिखाता है कि वे उससे कुछ सीखें। परमेश्वर स्वप्नों में मनुष्यों से सीधी बातें भी कर सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर ने कुछ लोगों को विशेष स्वप्नों के माध्यम से सन्देश दिए जो अधिकतर भावी घटनाओं के बारे में थे।
- स्वप्न दर्शन से भिन्न होता है। स्वप्न मनुष्य को नींद में दिखाई देते हैं परन्तु दर्शन जागृत अवस्था में दिखाई देते हैं।

(यह भी देखें: दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 2:16-17](#)
- [दानियेल 1:17-18](#)
- [दानियेल 2:1](#)
- [उत्पत्ति 37:6](#)
- [उत्पत्ति 40:4-5](#)
- [मत्ती 2:13](#)
- [मत्ती 2:19-21](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **8:2** यूसुफ के भाई उससे बैर रखते थे क्योंकि जब यूसुफ के भाइयों ने देखा कि हमारा पिता हम सबसे अधिक उसी से प्रीति रखता है, और यूसुफ ने **स्वप्न** में देखा था कि वह अपने भाइयों पर राज्य करेगा।
- **8:6** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे मिस्री फ़िरौन कहते थे, रात में दो **स्वप्न** देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे। जो **स्वप्न** उसने देखे उनका फल बताने वाला उसके ज्ञानियों में से कोई भी नहीं था।
- **8:7** परमेश्वर ने यूसुफ को यह योग्यता दी थी कि वह **स्वप्न** का अर्थ समझ सके, इसलिये फ़िरौन ने यूसुफ को बंदीगृह से बुलवा भेजा। यूसुफ ने उसके लिये **स्वप्न** की व्याख्या की और कहा कि “सारे मिस्र देश में सात वर्ष तो बहुतायत की उपज के होंगे, और उनके पश्चात् सात वर्ष अकाल के आयेंगे।”
- **16:11** उसी रात जब गिदोन मिद्यानियों के डेरे में आया तब एक मिद्यानी सैनिक अपने संगी से अपना **स्वप्न** कह रहा था। वह अपने संगी से कह रहा था, “कि इस स्वप्न का अर्थ यह हुआ कि गिदोन की सेना मिद्यानियों की सेना को पराजित कर देगी।”
- **23:1** अतः यूसुफ ने जो धर्मी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने का विचार किया। जब वह इन बातों के सोच ही में था तब प्रभु का स्वर्गदूत उसे **स्वप्न** में दिखाई दिया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1957, H2472, H2492, H2493, G17970, G17980, G36770

स्वर्ग

परिभाषा:

जिस शब्द का अनुवाद, “स्वर्ग” किया गया है उसका सन्दर्भ प्रायः उस स्थान से है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी हो सकता है।

- “आकाशमण्डल” का संदर्भ उन सब से है जिनको हम पृथ्वी के ऊपर देखते हैं, इनमें सूर्य, चाँद और सितारे भी हैं। उसमें ऐसे आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम पृथ्वी से अपरोक्ष देख नहीं सकते हैं।
- “आकाश” शब्द पृथ्वी के ऊपर नीली विस्तार से है जिसमें बादल हैं और हमारी श्वास वायु व्याप्त है। सूर्य और चंद्रमा के लिए भी प्रायः कहा जाता है कि वे “ऊपर आकाश में” हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान से भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” के अनुवाद में “स्वर्ग” को ही रखा जाए क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 8:22-24](#)
- [1 थिसलुनीकियों 1:8-10](#)
- [1 थिसलुनीकियों 4:17](#)
- [व्यवस्थाविवरण 9:1](#)
- [इफिसियों 6:9](#)
- [उत्पत्ति 1:1](#)
- [उत्पत्ति 7:11](#)
- [यूहन्ना 3:12](#)
- [यूहन्ना 3:27](#)
- [मत्ती 5:18](#)
- [मत्ती 5:46-48](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **4:2** फिर उन्होंने **स्वर्ग** तक ऊंचा गुम्लांमत बनाना आरम्भ किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें **स्वर्ग** से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:7** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:9** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो **स्वर्ग** में है, तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:9** तब यीशु ने **स्वर्ग** की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद **स्वर्ग** पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G09320, G20320, G33210, G37700, G37710, G37720

स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं। स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें और करें। “प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है।

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था। इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी।
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं। बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना।
- "यहोवा का दूत" एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिक हैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है, "स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है" या "यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक।" 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है। इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं" शब्द के उपयोग की व्याख्या होती है कि जैसे यहोवा स्वयं कह रहा हो।

अनुवाद के सुझाव:

- "स्वर्गदूत" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर का सन्देशवाहक" या "परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक" या "परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा।"
- "प्रधान स्वर्गदूत" का अनुवाद "प्रमुख स्वर्गदूत" या "प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत" या "स्वर्गदूतों का अगुआ" हो सकता है।

- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है।
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है। इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे। संभावित अनुवाद हो सकते हैं, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई दिया”

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासक, सेवक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 24:16](#)
- [प्रे.का. 10:3-6](#)
- [प्रे.का. 12:23](#)
- [कुलस्तियों 2:18-19](#)
- [उत्पत्ति 48:16](#)
- [लूका 2:13](#)
- [मरकुस 8:38](#)
- [मत्ती 13:50](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:20](#)
- [जकर्याह 1:09](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **2:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली **स्वर्गदूतों** को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:3** उस **स्वर्गदूत** ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊँ."
- **23:6** अचानक, एक चमकता हुआ **स्वर्गदूत** उन्हें (चरवाहों को) दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब **स्वर्गदूत** ने उनसे कहा, "मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:7** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए **स्वर्गदूतों** से आकाश भर गया.
- **25:8** तब **स्वर्गदूत** आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदों के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक **स्वर्गदूत** भेजा.
- **38:15** "मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर **_स्वर्गदूतों_** की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0047, H0430, H4397, H4398, H8136, G00320, G07430, G24650

स्वेच्छाबलि

परिभाषा:

स्वेच्छाबलि परमेश्वर को चढ़ायी जानेवाली बलि थी जिसकी अनिवार्यता मूसा की व्यवस्था में नहीं थी। यह मनुष्य की अपनी इच्छा का चढ़ावा था।

- यदि स्वैच्छा बलि में पशु था तो उस पशु में कुछ दोष स्वीकार्य थे क्योंकि वह मनुष्य की अपनी श्रद्धा से थी।
- इसाएली बलि पशु का माँस खाते थे जो पर्व का उत्सव था।
- स्वैच्छा बलि इसाएल के लिए आनन्द का कारण था क्योंकि इसका अर्थ था कि फसल अच्छी हुई है और उनके पास बहुत भोजन सामग्री है
- एज्ञा की पुस्तक में एक भिन्न स्वैच्छा बलि का वर्णन है जो मन्दिर के पुनः निर्माण के लिए चढ़ाई गई थी। इस चढ़ावे में सोना-चाँदी मुद्राएं तथा सोने चाँदी के कटोरे एवं अन्य पात्र थे।

(यह भी देखें: होमबलि, एज्ञा, पर्व, अन्नबलि, दोषबलि, व्यवस्था, पाप बलि)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 29:6](#)
- [2 इतिहास 35:7-9](#)
- [व्यवस्थाविवरण 12:17](#)
- [निर्गमन 36:2-4](#)
- [लैव्यव्यवस्था 7:15-16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5068, H5071